शोर-शराबे से काम चलेगा । एक सदस्य ने अभी आरोप लगाया कि कल्प नाथ राय ने जो पोस्टर यहां प्रस्तुत किया, वह पोस्टर खुद छपवा लाए। उपसभापति जी, यह पोस्टर . . .

**श्री उपसभापति :** यह कह चुके हैं आप ।

**श्री कल्प नाथ राय :** मैंने नहीं कहा । यह पोस्टर अलीगढ़ के इस्माइल प्रैस में छपा और इसकी पांच लाख कापी छपी और उत्तर प्रदेश के हर गांव, कस्बे में यह पोस्टर पहुंचा है और जनता पार्टी के अलीगढ़ के चौधरी बलवीर सिंह ने मान लिया है ।

आज हम सदन में जो मांग कर रहे है वही जनता की मांग है कि काँति देसाई के भ्रष्टाचार की जांच कराई जाए, सदन के पटल पर लैटरज रखे जाएं, जनता के वायदों को पूरा किया जाए, मंत्रियों के भ्रष्टाचार की जांच की जाए । यह देश का सवाल है और अगर कल तक इन्होंने मोशन को पास नहीं करवाया तो मैं कहना चाहता हूं कि सदन की कायवाही नहीं चल सकती है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Special mention. Shri Dwivedi.

## REFERENCE TO ALLEGED LAWLESSNESS ON THE RAILWAYS

**श्री देवेन्द्र नाथ द्विवदी** (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं आपकी अनुमति से सदन का ध्यान, आपका ध्यान और सरकार का ध्यान एक अत्यन्त दर्दनाक, शर्मनाक और घिनौनी घटना की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं जो अभी हाल में घटी है और जिसका रिश्ता हमारे सदन के एक सम्मानित सदस्य से है । इस समय देश में जो स्थिति ला एंड आर्डर की है, यह सदन उससे परिचित है । अनेकों बार पिछले सत्र में भी और इस सत्र में भी इसकी चर्चा हुई है । देश के एक बहुत बड़े भाग में न तो सरकार है और न शांति और व्यवस्था ही रह गई है । रोज डाका, लूट और मर्डर पूरे देश में घट रहे हैं । लेकिन इधर कुछ और भी बाते थीं जिसमें सदन का ध्यान लगा हुआ था । अभी हाल में एक घटना हुई है जोकि अखबारों में प्रकाशित नहीं हुई और जिसकी गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मैने आपसे अनुमति मांगी है कि उसका जिक्र करूं । हमारी राज्य सभा की एक वरिष्ट सदस्या श्रीमती अजीजा इमाम है, उनके यहां एक विवाह था पटना में, उन के भाई की लड़की का विवाह था । एक बारात गयी हुई थी प्रयाग के लिए—एक भूतपूर्व संसद् सदस्य शेरवानी हैं उनके लड़के की बारात गयी थी और दिन का विवाह था । विवाह के बाद प्रयाग में एक रिसेप्शन था जिसमें वहां से कुछ लोग आ रहे थे—पटना से एक रिजर्व बॉगी, जिस को कंपोजिट बॉगी कहते हैं जिसमें फर्स्ट क्लास की करीब 10 बर्थ और गालिबन 40 बर्थ सेकेण्ड क्लास की थी जोकि एक दूसरे से जुडी हुई थी—जिसमें कि महिलाएं, लड़कियां, जवान लड़कियां, बच्चे और कुछ पुरुष वहां से रवाना हुए थे उस रिसेप्शन में शामिल होने के लिए । यह 29 जुलाई की घटना है । प्रातःकाल हावड़ा-दिल्ली एक्सप्रेस बॉगी लगायी गयी पटना में और वहां से ये लोग रवाना हुए । रवाना होने के एक घंटे के अंदर ही एक स्थान पर गाड़ी रुकी और यह घटना सहसोपुर और बिहटा के बीच की है जहां कि चेन पुलिंग की गई और गाड़ी को रोक दिया गया और गाड़ी रोक कर वहां कुछ अवांछनीय तत्व, कई दर्जन की संख्या में, आए और उन्होंने जबर्दस्ती प्रवेश करना चाहा—सुबह साढ़े 9 बजे की घटना है । इस बात को जानते हुए कि कुछ संभ्रांत लोग जा रहे हैं उन्होंने जबर्दस्ती चढ़ने का प्रयास किया । जब उन से निवेदन किया गया कि यह रिजर्व बॉगी है और आप लोग इस पर न आएं, तो इस बात को लेकर उन्होंने झगड़ा-फसाद शुरू किया और झगड़ा-फसाद की स्थिति ऐसी आ गयी मान्यवर, कि 400–500 अवांछनीय लोग वहां पर इकट्ठा हो गए, मानों पहले से इसकी तैयारी थी और शायद उन को मालूम था कि ये लोग जा रहे हैं और उस के बाद जो कुछ हुआ उस का वर्णन करना यहां मुश्किल है । इतनी शर्मनाक घटना हुई, लगातार घंटे डेढ़ घंटे तक उस पर आक्रमण

[श्री देवेन्द्र नाथ द्विवेदी]

होता रहा डंडे से छुरे से और इतने पत्थर फेंके गए कि सारे शीशे टूट गए। महिलाएं उस डिब्बे से भाग कर दूसरे कंपार्टमेंट में चली गईं। एक कंपार्टमेंट में 25-25 महिलाएं अंदर से बंद कर के उसमें बैठी रहीं, और फिर हाकी और डंडा और भद्दी-भद्दी गालियां से बुरे ढंग से आक्रमण किया गया। सार्वजनिक सम्पत्ति का नुकसान किया गया, लोगों को चोटें आई और ये सारी बातें घंटों तक होती रहीं। वहां पुलिस का पता नहीं, वहां रेलवे प्रशासन के कर्मचारियों का पता नहीं। कई सौ लोग घटना को देखते रहे जो गाड़ी पर चल रहा था। एकदम असहाय स्थिति में सब लोग देखते रहे। कानून और व्यवस्था का कहीं नामोनिशान नहीं था और घंटों यह घटना चलती रही, स्त्रियां रोती रहीं कुरान पढ़ने लगीं और अल्लाह से दुआ करने लगीं कि किसी तरह से जान बचाओं। उस के बाद दो-तीन बुजुर्ग लोग आए, हाथ-पैर जोड़े और याचना की और इतना करने के बाद कुछ लोग वहां से हटे। इस बीच कई दरवाजे तोड़ दिए गए। उसके बाद उन लोगों ने टेलीफोन किया दानापुर में जाकर और आरा में आ कर पुलिस ने संरक्षण देने का प्रयास किया लेकिन उस के बाद कोई कार्यवाही नहीं की गई।

मान्यवर, मैं सिर्फ निवेदन करना चाहूंगा, यह एक ऐसी गंभीर घटना है जिसकी कि तत्काल एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए न केवल इसलिए कि इसका एक सम्मानित सदस्य से संबंध है बल्कि यह आए रोज की घटना है, नित्य-प्रति उतरी भारत में यह हो रहा है, कोई दिन ऐसा नहीं जा रहा है जिस दिन कि ट्रेन में डकैती न होती हो, चोरी न होती हो और हमारे देश में रेलवे प्रशासन अब नाम मात्र का रह गया है। यह यह एक गंभीर घटना है जिसकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और मैं कहना चाहूंगा यद्यपि स्पेशल मेन्शन में यह प्राविजन नहीं है लेकिन मैं चाहूंगा इस संबंध में कम से कम सरकार के किसी भी जिम्मेदार प्रतिनिधि के द्वारा यह आश्वासन दिया जाए कि इस घटना की जांच की जाएगी और इसमें जो भी दोषी हैं उन को 'डित किया जाएगा और सदन को आश्वासन दिया जाए कि इस संबंध में सरकार क्या करने जा रही है?

माननीय सदस्या भी यहां बैठी हुई है। आप कहें तो वह कुछ बतला सकती है इस संबंध में।

**श्रीमती अजीजा इमाम** (बिहार): आप की इजाजत हो तो मैं भी एक मिनट में वाक्या बतला दूं।

**श्री उपसभापति**: नहीं।

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण)**: सर, मैंने आनरेबिल मेम्बर से कह दिया था, श्रीमती अजीजा इमाम से कि आप लिख कर दे दें। मैं उस की जांच कराउंगा।

## REFERENCE TO THE REPORTED DISFIGURING OF THE MARBLE STATUE OF MAHATMA GANDHI AT GAYA

**श्री प्रकाश मेहरोत्रा** (उत्तर प्रदेश): आदरणीय उपसभापति महोदय, जिस तरह की घटना का वर्णन अभी द्विवेदी जी ने किया इसी तरीके की और इस से ज्यादा खेदप्रद एक घटना का वर्णन कल के समाचार पत्रों में निकला है। वाक्या यह है कि गया में रेलवे कालोनी में महात्मा गांधी की एक मार्बल की स्टेच्यू थी। उस का मुंह कालिख से पोत दिया गया है। मान्यवर, जब से . . .

DR. (SHRIMATI) SATHIAVANI MUTHU (Tamil Nadu): On a point of order. I wanted your ruling on the point raised by hon'ble Mr. Bhupesh Gupta. He should either withdraw the expression or the expression should be removed from the proceedings of the House. Before giving your ruling you are allowing others